पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

मलाइका बोलीं- 52 की उम्र में भी ये कर पा रही हूं

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास **विकास**

वर्ष : 45 | अंक : 264 | गुरुवार 15 जनवरी 2026 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play | GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play | Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel | Subscribe

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

मनपा चुनाव के लिए पुलिस की फोर्स तैयार

उल्हासनगर में सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम

■ पोलिंग के दिन पुलिस का मज़बूत सुरक्षा घेरा

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा चुनाव आज होने जा रहे हैं. ऐसे में शहर के हर पोलिंग स्टेशन, चौक और सेंसिटिव वार्ड में पुलिस का कड़ा पहरा लगा दिया गया है। पुलिस प्रशासन ने कोई अनहोनी न हो, कानून-व्यवस्था बनी रहे और वोटर बिना डरे अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल कर सकें, इसके लिए एक मज़बूत सुरक्षा व्यवस्था की गई है.

उल्हासनगर ज़ोन-4 के पुलिस उपायुक्त सचिन गोर द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, मनपा चुनाव के लिए 220 पुलिस अधिकारी, 1025 पुलिस कर्मचारी और 1050 होमगार्ड तैनात किए गए हैं। इसके साथ ही, SRPF की दो प्लाटून शहर में दाखिल हो गई हैं और सेंसिटिव और बहुत ज़्यादा सेंसिटिव इलाकों में खास सुरक्षा की गई है। चुनाव के दौरान सीनियर अधिकारियों की एक बड़ी टीम भी निगरानी करेगी. सिक्योरिटी के लिए एक एडिशनल पुलिस कमिश्नर, दो डिप्टी पुलिस कमिश्नर, चार असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर और 25 पुलिस इंस्पेक्टर मौजूद हैं, और ये अधिकारी पोलिंग स्टेशन से लेकर बड़े चौराहों, बाज़ारों और विवादित वार्डों पर लगातार नज़र रखेंगे।

वोटिंग के दिन शहर में पैदल गश्त, गाड़ियों की गश्त और सरप्राइज़ चेकिंग बढ़ाई जाएगी। पुलिस प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि किसी भी तरह की अफवाह, विवादित पोस्ट या समाज में दरार पैदा करने वाली हरकतों पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें, बल्कि शांति बनाए रखें और प्रशासन का सहयोग करें। शांतिपूर्ण, ट्रांसपेरेंट और बिना डरे वोटिंग प्रशासन की प्राथमिकता है, और यह साफ़ हो गया है कि इस साल उल्हासनगर में मनपा चुनाव बहुत कड़ी पुलिस सिक्योरिटी में होंगे।

पारदर्शी माहौल में चुनाव कराना लक्ष्य

"हमारा मुख्य मकसद है कि उल्हासनगर मनपा चुनाव शांतिपूर्ण, बिना डरे और पारदर्शी माहौल में हों। इसके लिए बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है और सेंसिटिव और बहुत ज़्यादा सेंसिटिव वार्डों पर खास ध्यान दिया जाएगा। कानून-व्यवस्था से जुड़ी कोई भी समस्या नहीं आने दी जाएगी। अफवाह फैलाने, पैनिक पैदा करने या वोटिंग प्रक्रिया में रुकावट डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। नागरिक बिना डरे वोट करें और पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।"

–**सचिन गोरे**, पुलिस उपायुक्त – ज़ोन 4

आज मतदान, कल मतगणना

उल्हासनगर में प्रशासन तैयार

432 उम्मीदवार, 20 प्रभाग, 78 सीटें और 596 पोलिंग स्टेशन

■ आज उल्हासनगर में लोकतंत्र का निर्णायक दिन

■ प्रशासन, पुलिस सिस्टम और चुनाव सिस्टम पूरी ताकत से तैयार

उल्हासनगर. शहर का राजनीतिक भविष्य तय करने वाला दिन आ गया है और आज 15 जनवरी को उल्हासनगर में लोकतंत्र का महापर्व मनाया जाएगा। सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक होने वाले मनपा चुनावों के लिए प्रशासन ने हर लेवल पर कड़ी तैयारी पूरी कर ली है। चाहे पोलिंग स्टेशनों का डिज़ाइन हो, स्टाफ प्लानिंग हो, EVM सिक्योरिटी हो या कड़ी पुलिस सिक्योरिटी हो, प्रशासन शांतिपूर्ण, पारदर्शी और डर के माहौल में चुनाव कराने के लिए पक्का इरादा कर चुका है। विदित हो कि उल्हासनगर मनपा का कार्यकाल 4 अप्रैल 2022 को समाप्त हो चुका है।

मनपा चुनाव 2017 परिणाम	
BJP-TOK	33
शिवसेना	25
साई पक्ष	11
राकांपा	4
आरपीआय	2
कांग्रेस	1
पीआरपी	1
भारिप	1

मनपा चुनाव 2012 परिणाम	
NCP-TOK	20
शिवसेना	19
भाजपा	11
कांग्रेस	8
साई पक्ष	7
अपक्ष	6
आरपीआय	4
BSP	2
मनसे	1

3,278 कर्मचारी तैनात

चुनाव प्रक्रिया के लिए 2,980 नियुक्त कर्मचारी, 298 रिज़र्व एम्प्लॉई समेत कुल 3,278 कर्मचारी तैनात किए गए हैं। साथ ही, चुनाव से जुड़े अलग-अलग कामों के लिए 29 खास कमेटियां बनाई गई हैं।

इस चुनाव में 20 वार्ड की 78 सीटों के लिए बड़ी लड़ाई देखी जा रही है। कुल 702 उम्मीदवारों में से 618 एप्लीकेशन वैलिड घोषित किए गए। इसके बाद 186 कैंडिडेट ने नाम वापस ले लिया, आखिर में 432 कैंडिडेट आखिरी मुकाबले में बचे हैं। इतनी बड़ी संख्या में कैंडिडेट के मैदान में होने से कैंपेन और भी एग्रेसिव हो गया और वोटर्स के सामने ऑप्शन बढ़ने से फैसला लेने का प्रोसेस और भी दिलचस्प और मुश्किल होने वाला है।

वोटर लिस्ट में गलतियों को दूर करने के लिए, संभावित 14,731 डुप्लीकेट वोटरों में से 8,739 डुप्लीकेट एंट्री बची हैं, और 249 वोटरों की डुप्लीकेट एंट्री को प्रशासन ने कन्फर्म किया है।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) के बारे में मिली जानकारी के मुताबिक, 30 दिसंबर, 2025 से 1 जनवरी, 2026 तक FLC (फर्स्ट लेवल चेकिंग) की गई थी। इनमें से 935 C.U. और 1,923 BU. अच्छी हालत में पाई गईं, जबकि 65 C.U. और 77 BU. खराब पाई गईं। हालांकि, प्रशासन ने साफ किया है कि मौजूद मशीनरी काफी है। 6 जनवरी 2026 को EVMs चुनाव आयोग को सौंप दी गईं और स्ट्रांग रूम का कब्ज़ा दे दिया गया, और 8 और 9 जनवरी को सीलिंग की प्रक्रिया पूरी की गई।

4,39,912 वोटर करेंगे मताधिकार का उपयोग

इस साल शहर में 4,39,912 वोटर अपने वोट का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें 2,32,736 पुरुष, 2,07,022 महिलाएं और 154 दूसरे वोटर शामिल हैं। वोटिंग को आसानी से कराने के लिए 596 पोलिंग स्टेशन बनाए गए हैं और इसके लिए 124 बिल्डिंग का इस्तेमाल किया जाएगा। इनमें 46 सरकारी और 78 प्राइवेट बिल्डिंग शामिल हैं। इसके तहत 31 पवेलियन पोलिंग स्टेशन, 113 पार्टीशन पोलिंग स्टेशन और 452 कमरों में वोटिंग का इंतज़ाम किया गया है।

शिकायत निवारण सेल

इस बीच, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन हेडक्वार्टर में शिकायत निवारण सेल बनाया गया है। आचार संहिता से जुड़ी शिकायतें तुरंत दर्ज की जाएंगी और कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों के लिए टोल फ्री नंबर 18002331101 और 18002331103, साथ ही (0251) 2720149 / 2720143 उपलब्ध कराए गए हैं। शिकायत निवारण के लिए फ्लाइंग स्क्वॉड तैयार रखे गए हैं और उनकी पेट्रोलिंग टीमें अलग-अलग शेड्यूल के हिसाब से पूरे शहर में काम करेंगी। कुल मिलाकर, प्रशासन की पूरी तैयारी, कड़े सुरक्षा इंतजाम और पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के कारण उल्हासनगर मनपा चुनाव लोकतंत्र का टेस्ट होगा। आज 15 जनवरी को शहर का राजनीतिक नक्शा तय करेगा कि मतदाता किसे वोट देता है और उल्हासनगर का पूरा ध्यान आज के चुनाव पर लगा हुआ है।

चुनाव के चलते पुलिस का 'ज़ीरो टॉलरेंस' मोड

संवेदनशील वार्ड, अति संवेदनशील इलाके, पिस्टल ज़ब्त करना और सख्त रोकथाम कार्रवाई

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव के बैकग्राउंड में, शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस एडमिनिस्ट्रेशन ने पूरी तरह से अग्रेसिव रुख अपनाया है। संभावित तनाव, आतंक और गड़बड़ी को रोकने के लिए, शहर के 22 वार्डों को सेंसिटिव और चार वार्डों, वार्ड नंबर 5, 7, 14 और 15 को अति संवेदनशील घोषित किया गया है। इसके साथ ही, हथियारों पर कंट्रोल करके, क्रिमिनल प्रवृत्ति को कंट्रोल करके और समाजकंटकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करके, पुलिस ने चुनाव के दौरान 'कानून सबसे ऊपर है' का साफ मैसेज दिया है।

260 लाइसेंसी पिस्टल जब्त

चुनाव के दौरान हथियारों के इस्तेमाल या आतंक का माहौल बनाने से रोकने के लिए, पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए शहर से कुल 260 लाइसेंसी पिस्टल कुछ समय के लिए ज़ब्त की हैं। इसके अलावा, छह बिना लाइसेंस वाली पिस्तौलें ज़ब्त की गई हैं और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिससे गैर-कानूनी हथियारों की जमाखोरी पर बड़ी रोक लगी है।

421 लोगों के खिलाफ प्रिवेंटिव एक्शन

पुलिस ने क्रिमिनल बैकग्राउंड वाले लोगों और चुनाव प्रक्रिया में रुकावट डालने वालों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए हैं। शहर में 421 लोगों के खिलाफ प्रिवेंटिव एक्शन लिया गया है, 10 लोगों को तड़ीपार कर दिया गया है, और 4 लोगों के खिलाफ MPDA के तहत सख्त एक्शन लिया गया है। इस एक्शन की वजह से पुलिस ने सख्त चेतावनी दी है कि चुनाव के दौरान किसी को भी कानून अपने हाथ में नहीं लेने दिया जाएगा।

पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार

"पुलिस सिस्टम पूरी तरह से तैयार है ताकि उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनाव शांतिपूर्ण, बिना डरे और ट्रांसपेरेंट माहौल में हों। सेंसिटिव और बहुत ज़्यादा सेंसिटिव वार्ड में खास इंतज़ाम किए गए हैं, और किसी भी तरह का आतंक, दबाव या कानून-व्यवस्था का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आर्म्स कंट्रोल, सोशल मिसलीड्स और MPDA के खिलाफ़ प्रिवेंटिव एक्शन के तहत कड़े कदम उठाकर, हमने साफ़ मैसेज दिया है कि चुनाव के दौरान कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ़ तुरंत और सख्त एक्शन लिया जाएगा। नागरिक बिना डरे वोट दें, उनकी सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी ज़िम्मेदारी है।"

–**सचिन गोरे**, पुलिस उपायुक्त

संवेदनशील और अति संवेदनशील वार्डों पर खास ध्यान देने, हथियारों पर कंट्रोल और समाजकंटकों के खिलाफ सीधी कार्रवाई की वजह से चुनाव के दौरान उल्हासनगर में पुलिस का सख्त पहरा ज़्यादा है, और यह साफ तस्वीर सामने आई है कि प्रशासन लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सुरक्षा पक्का करने के लिए तैयार है।

अंबरनाथ के एक स्वीकृत नगरसेवक का पद संकट में

■ सांसद श्रीकांत शिंदे ने जिलाधिकारी से की है शिकायत

अंबरनाथ. अंबरनाथ में शिवसेना को 3 स्वीकृत नगरसेवक पद मिलना चाहिए था. नियमों को बाजू में रखकर पीठासीन अधिकारी ने शिवसेना के 2 स्वीकृत नगरसेवकों एवं भाजपा-कांग्रेस के 3 नगरसेवकों के नाम की घोषणा की है. मैंने मुख्याधिकारी से एवनं जिलाधिकारी से शिकायत की है. ऐसी जानकारी पत्रकारों को सांसद श्रीकांत शिंदे ने दी है. उन्होंने कहा कि हमारे पास सदस्य संख्या 32 है, जबकि भाजपा उसके मित्र पक्ष की संख्या 27 होती है. हमारी सदस्य संख्या ज्यादा है. इसलिए हमें 3 स्वीकृत नगरसेवक मिलना चाहिए और भाजपा को 2 मिलना चाहिए था नियम के विरोध में जाते हुए पीठासीन अधिकारी नगराध्यक्षा ने ये सब किया है. हमने मुख्याधिकारी से शिकायत करने पर स्वतः मुख्याधिकारी, जिलाधिकारी के पास जाने वाले हैं. हमने भी जिलाधिकारी से शिकायत की है. शत प्रतिशत हमें स्टे मिलने वाला है. हमने नियमों का पालन किया है. हमें इस बात की खुशी है कि अंबरनाथ नपा पर फिर से शिवसेना की सत्ता आई है. हमें ज्यादा आनंद होता जब भाजपा हमारे साथ आती और सत्ता स्थापन किया होता. श्रीकांत शिंदे ने कहा कि अभी भी कुछ नहीं बिगड़ा है. अभी भी हम भाजपा के साथ सत्ता बनाने के इच्छुक हैं, ऐसा श्रीकांत शिंदे ने कहा है.

भाजपा और उद्धव सेना के कार्यकर्ताओं में झड़प

■ पैसे बांटने के आरोप को लेकर हुआ बवाल

फाइल फोटो

कल्याण- महानगरपालिका चुनाव प्रचार के अंतिम दिन कल्याण पूर्व के खडेगोलवली इलाके में पैनल 13-ड के भाजपा प्रत्याशी विक्रम तरे और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रत्याशी मधुर म्हात्रे के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की घटना सामने आई है। इस मारपीट से इलाके में तनाव का माहौल बन गया, जिसके बाद कोलसेवाड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में लिया। पिछले कई दिनों से दोनों पक्षों के कार्यकर्ता जोरदार प्रचार कर रहे थे। प्रचार की अवधि समाप्त होते ही खडेगोलवली में भाजपा और उद्धव सेना के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। शिवसेना (उबाठा) प्रत्याशी मधुर म्हात्रे ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रत्याशी विक्रम तरे के कार्यकर्ता पैसे बांट रहे हैं। इस पर सफाई देते हुए तरे ने कहा, कि विरोधियों को हार नजर आ रही है, इसलिए चुनाव रद्द कराने के उद्देश्य से झूठे आरोप लगाए जा रहे हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों के कार्यकर्ताओं को समझा-बुझाकर आगे की जांच शुरू की है। वहीं चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो, इसके लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

चार वोट, चार रंग, वोटर्स के लिए आसान तरीका

■ कन्फ्यूजन से बचने के लिए इलेक्शन कमीशन का कलर फॉर्मूला

उल्हासनगर. उल्हासनगर मनपा चुनाव के लिए वोटिंग आज 15 जनवरी को हो रही है और चार मेंबर वाले वार्ड स्ट्रक्चर की वजह से वोटर्स को चार रिप्रेजेंटेटिव A, B, C और D के लिए अलग-अलग वोट करना होगा। इस प्रोसेस में किसी भी तरह के कन्फ्यूजन से बचने और वोटिंग को आसान, क्लियर और ज़्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए, इलेक्शन कमीशन ने चार अलग-अलग रंगों की वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल करने का एक अहम फैसला लिया है.

इस नई कलर स्कीम के मुताबिक, 'A' सीट के लिए सफेद रंग की वोटिंग मशीनें, 'B' के लिए हल्के गुलाबी रंग की, 'C' के लिए हल्के पीले रंग की और 'D' के लिए हल्के नीले रंग की रखी जाएंगी। हर मशीन पर उस सीट के कैंडिडेट्स के नाम और इलेक्शन सिंबल साफ-साफ प्रिंट होंगे। इसलिए, वोटर्स हर सीट के लिए अलग-अलग और सही-सही वोट कर पाएंगे। चार सदस्यों के लिए वोटिंग के दौरान किसी भी तरह की कंफ्यूजन से बचने के लिए पोलिंग स्टेशनों पर गाइडेंस बोर्ड, वॉलंटियर और खास ट्रेनिंग दी गई है।

प्रशासन ने भरोसा जताया है कि इससे वोटर्स को वोटिंग प्रोसेस के दौरान सही गाइडेंस मिलेगी और हर वोट सही-सही रिकॉर्ड होगा। मनीषा अव्हाले ने बताया कि यह कलर सिस्टम चुनाव प्रोसेस में ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने और वोटर्स का भरोसा बढ़ाने में काम आएगा। इसके साथ ही, उन्होंने यह भी साफ किया है कि वोटर्स में अवेयरनेस लाने के लिए अलग-अलग मीडिया के जरिए जानकारी दी जा रही है। चार रंग, चार वोटिंग मशीन और साफ गाइडेंस वाले नए सिस्टम से यह तस्वीर साफ हो रही है कि उल्हासनगर में वोटिंग प्रोसेस आसान, सुरक्षित और वोटर-फ्रेंडली होगा।

'उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव में चार सदस्यों वाले वार्ड स्ट्रक्चर की वजह से वोटर्स को चार अलग-अलग वोट डालने होंगे। इस प्रोसेस को वोटर्स के लिए आसान, साफ और कम कंफ्यूजिंग बनाने के लिए हर सीट के लिए अलग-अलग रंग की वोटिंग मशीन देने का फैसला किया गया है। रंगों से वोटर्स को वोटिंग करते समय सही सीट आसानी से पहचानने में मदद मिलेगी और हर वोट सही-सही रिकॉर्ड होगा। पोलिंग स्टेशनों पर गाइड बोर्ड, वॉलंटियर और ट्रेंड स्टाफ दिए गए हैं, और लोगों को बिना डरे और बिना किसी डर के अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करना चाहिए।

– **मनीषा अव्हाले**, मनपा आयुक्त

कल्याण में 21 साल की एयर होस्टेस ने किया सुसाइड

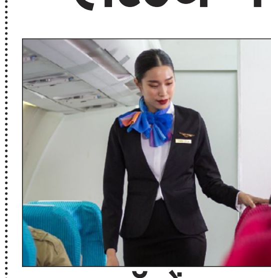

■ एक्स बॉयफ्रेंड पर FIR दर्ज

कल्याण. कल्याण में एक 21 साल की एयर होस्टेस ने आत्महत्या कर ली. जिसके बाद पुलिस ने उसके पूर्व पार्टनर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी. महिला 28 दिसंबर, 2025 को कल्याण (पूर्व) में अपने घर पर फांसी पर लटकी मिली थी.

एक अधिकारी ने बताया कि उसके मोबाइल फोन और फाइनेंशियल रिकॉर्ड की जांच के बाद कोलसेवाड़ी पुलिस ने 10 जनवरी को उसके 23 साल के पूर्व पार्टनर के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया. पीड़िता की मां द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार 28 दिसंबर की रात को उनकी बेटी ने उनके फोन कॉल का जवाब नहीं दिया, जिसके बाद एक पड़ोसी ने कल्याण के अनुसूया निवास में उसके घर जाकर देखा और उसे छत के हुक से लटका हुआ पाया.

अधिकारी ने बताया कि उसे तुरंत रुक्मिणीबाई अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. उसके परिवार ने दावा किया कि वह और आरोपी 2020 से रिलेशनशिप में थे. परिजनों ने आरोप लगाया कि आरोपी ने कथित तौर पर उसकी कुछ तस्वीरें पब्लिक करने की धमकी दी, उससे शादी करने से इनकार कर दिया और हाल ही में दूसरी महिला के साथ रिलेशनशिप में आ गया. जिससे उसने आत्महत्या कर ली.

आरोपी के खिलाफ FIR दर्ज कर शुरू की जांच

अंतिम संस्कार के बाद उसके फोन और बैंक स्टेटमेंट की जांच करने पर परिवार ने कई शिकायतें बताईं. चैट रिकॉर्ड और उसके शरीर पर मिले निशानों से पता चलता है कि आरोपी अक्सर उसके साथ मारपीट करता था. अधिकारी ने बताया कि मृतक के बैंक अकाउंट रिकॉर्ड से पता चला कि उस आदमी ने शादी के बहाने उससे लाखों रुपये लिए थे, जिसमें सबसे हालिया ट्रांजैक्शन 16 दिसंबर, 2025 को हुआ था. अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने उस आदमी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 के तहत FIR दर्ज की है.

पत्नी के हत्यारे पति 8 माह बाद सेंट्रल पुलिस ने नासिक से किया गिरफ्तार

■ मोबाइल इस्तेमाल ने करने से पुलिस की पकड़ से था बाहर

उल्हासनगर: उल्हासनगर में अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या करने के बाद आठ महीने से पुलिस से बच रहे आरोपी को आखिरकार सेंट्रल क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेल ने नासिक से गिरफ्तार कर लिया गया है। मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने से बचने और जगह बदलने के कारण पुलिस से छिपने वाले आरोपी को ढूंढना जांच एजेंसी के लिए एक बड़ी चुनौती थी। हालांकि, क्राइम ब्रांच ने गोपनीय जानकारी, कड़ी निगरानी और सटीक जाल के आधार पर इस काले अपराध को खत्म कर दिया है। सेंट्रल क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेल ने नासिक से अपनी पत्नी की हत्या के बाद फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। यह ऑपरेशन क्राइम ब्रांच, ठाणे शहर के तहत किया गया। 9 मई 2025 को रात करीब 8.30 बजे, गावड़े स्कूल के पास, कैंप 3 के मांडलिक चॉल में रहने वाली सुरेखा आनंद सूर्यवंशी (47) की उसके पति ने गर्दन पर धारदार हथियार से वार करके बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस मामले में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में आरोपी आनंद तुलसीराम सूर्यवंशी (60) के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। वारदात के बाद से ही आरोपी अपनी पहचान छिपा रहा था और लगातार जलगांव, नासिक, अहिल्यानगर वगैरह में जगह बदल रहा था। खासकर चूंकि आरोपी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता था, इसलिए पुलिस के लिए उसे ट्रैक करना एक चुनौती बन गया था। ठाणे पुलिस कमिश्नर के आदेश पर सेंट्रल क्राइम इन्वेस्टिगेशन सेल की एक स्पेशल टीम बनाई गई। आखिरकार, 9 जनवरी, 2026 को एक कॉन्फिडेंशियल इन्फॉर्मर से जानकारी मिली कि आरोपी नासिक रोड पर विहितगांव इलाके में आने वाला है। इसके बाद, पुलिस टीम ने जाल बिछाया और आरोपी को बुद्ध विहार के पास से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद, आरोपी को उल्हासनगर के सेंट्रल पुलिस स्टेशन में पेश किया गया। फिर आरोपी को उल्हासनगर कोर्ट में पेश किया गया,

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

कुछ हाथों में संपत्ति, असंतोष हर तरफ

किसी भी राष्ट्र के संतुलित विकास के लिए आर्थिक समानता का होना बेहद जरूरी है। जब तक सभी नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं मयस्सर नहीं होंगी, तब तक विकास के तमाम दावे अधूरे ही साबित होंगे। मगर, चिंताजनक बात है कि दुनिया भर में आर्थिक असमानता का दायरा बढ़ता जा रहा है। इससे न केवल आर्थिक अस्थिरता बढ़ रही है, बल्कि आमजन की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी आधारभूत जरूरतों तक पहुंच भी सीमित हो रही है। इससे कमजोर वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है।

विश्व आर्थिक मंच की नई सर्वेक्षण रपट में भी इस बात को उजागर किया गया है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर के युवा असमानता से चिंतित हैं। मगर इसकी आलोचना करने के बजाय, वे इसमें बदलाव चाहते हैं। सवाल है कि आखिर अमीर-गरीब के बीच खाई घटने की बजाय बढ़ क्यों रही है? क्या शासन और प्रशासन को इस बात का भान नहीं है कि इस असमानता के परिणाम न केवल किसी एक देश, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए घातक हो सकते हैं?

इसमें दोराय नहीं कि आर्थिक असमानता के मामले में भारत भी पीछे नहीं है। विश्व असमानता पर हाल में जारी की गई एक रपट के मुताबिक, देश की कुल संपत्ति का करीब चालीस फीसद हिस्सा महज एक फीसद लोगों के पास है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में आर्थिक असंतुलन का स्तर कहां पहुंच गया है। युवा वर्ग भी इससे प्रभावित हो रहा है और वह व्यवस्था में बदलाव तो चाहता है, लेकिन इसके लिए उसे सही मंच और अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

विश्व आर्थिक मंच की रपट में कहा गया है कि सर्वेक्षण के दौरान सत्तावन फीसद युवाओं ने इस असमानता पर गंभीर चिंता जताई है। आर्थिक असमानता बढ़ने की चेतावनी पहले भी दी जाती रही है, लेकिन इस पर गंभीरता दिखाने की पहल दुनिया के किसी कोने में नजर नहीं आई है। ऐसे में इस बात का अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब किसी देश की संपत्ति का बड़ा हिस्सा चंद लोगों के हाथों में आ जाएगा, तो उसका परिणाम क्या होगा।

विचार : असहमति की अति से त्रस्त देश

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर पांच सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले जिस सैंक्शनिंग रशिया बिल को सहमति प्रदान की, उसके पारित होने के आसार हैं। यदि ऐसा होता है तो भारत की समस्या और अधिक बढ़ जाएगी, जो पहले से ही 50 प्रतिशत ट्रंप टैरिफ का सामना कर रहा है। यह भी अब 75 प्रतिशत हो गया है, क्योंकि ट्रंप ने ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया। जैसे रूस से तेल खरीदने वाले देशों में भारत प्रमुख है, वैसे ही ईरान से व्यापार करने वाले देशों में भी।

हालांकि ईरान से भारत का व्यापार अधिक नहीं है, लेकिन ट्रंप के इस कदम से हमारा संकट और बढ़ना ही है। ट्रंप के इस फैसले की तो विपक्षी डेमोक्रेट पार्टी के कई सांसदों ने कड़ी निंदा की है, लेकिन वे रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर पांच सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने वाले बिल पर उनके साथ हैं। वैसे तो सत्तारूढ़ रिपब्लिकन और विपक्षी डेमोक्रेट एक-दूजे को फूटी आंख नहीं सुहाते, लेकिन कुछ मुद्दों पर दोनों दलों के सांसद एकजुट भी हो जाते हैं।

ताजा उदाहरण प्रस्तावित सैंक्शनिंग रशिया एक्ट है। इसे रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम और डेमोक्रेटिक सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंटथल ने संयुक्त रूप से पेश किया है। इसीलिए इसे द्विपक्षीय बिल कहा जा रहा है। यह वही रिचर्ड ब्लूमेंटथल हैं, जिन्होंने चंद दिनों पहले वेनेजुएला में ट्रंप की सैन्य कार्रवाई को अवैध आक्रमण कहते हुए एक लापरवाही भरी हरकत करार दिया था।

डेमोक्रेट रिचर्ड ब्लूमेंटथल पहले भी कुछ मुद्दों पर ट्रंप की तीखी आलोचना कर चुके हैं, लेकिन उन्हें रूस से तेल खरीदने वाले देशों को टैरिफ लगाकर दंडित करने का विचार इतना भाया कि वे उनके साथ खड़े हो गए। भारत में इसकी कल्पना नहीं की जा सकती। इसका एक कारण तो यह है कि भारत में सांसद अपने-अपने दल की नीति के हिसाब से ही चलते हैं और दूसरा यह कि उन्हें व्हिप का पालन करना पड़ता है। अमेरिका में ऐसा नहीं है।

इसीलिए वहां रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसद एक साथ भी खड़े दिखते रहते हैं। एक समय अपने देश में भी कुछ मुद्दों पर संसद के भीतर-बाहर पक्ष-विपक्ष व्यापक राष्ट्रीय हित में एकमत होता रहता था, पर आज यह अकल्पनीय है। बहुत दिन नहीं हुए जब सत्तापक्ष आम सहमति की राजनीति करने की बातें करता था और विपक्ष उसे रचनात्मक सहयोग देने का वादा करता था, लेकिन अब दूर-दूर तक ऐसा कुछ भी नहीं है। संसद सत्र के पहले होने वाली सर्वदलीय बैठकें हों या अन्य कोई मंच, हर कहीं पक्ष-विपक्ष के बीच घोर असहमति ही दिखती है।

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से असहमति की अति सी हो गई हो। मोदी के शासनकाल में न्यायिक नियुक्ति आयोग संबंधी विधेयक एकमात्र ऐसा बिल था, जिस पर सभी दलों की सहमति कायम हुई थी। त्रासदी यह रही कि इस विधेयक के कानून बनते ही सुप्रीम कोर्ट ने उसे असंवैधानिक करार दिया। फिर जीएसटी संबंधी विधेयकों पर उल्लेखनीय आम सहमति देखने को मिली, लेकिन बाद में राहुल गांधी जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स बताने लगे।

इसके उपरांत आर्थिक रूप से विपन्न लोगों को 10 प्रतिशत आरक्षण और विधायिका में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण से जुड़े विधेयकों पर भी पक्ष-विपक्ष का सुर एक ही रहा, लेकिन इसका कारण सहमति की राजनीति नहीं, बल्कि वोट बैंक की राजनीति थी। इसके बाद से किसी भी विषय पर आम सहमति के दर्शन दुर्लभ हो गए हैं। यह असहमति की अति की पराकाष्ठा ही थी कि पहलगाम आतंकी हमले और आपरेशन सिंदूर को लेकर सत्तापक्ष और विपक्ष में जो एकजुटता दिखी, वह इस सैन्य अभियान खत्म होने के पहले ही इतनी बुरी तरह बिखर गई कि कांग्रेस ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर पाकिस्तानी आतंकियों को बचाने का आरोप मढ़ने में भी संकोच नहीं किया। उस समय विपक्षी नेताओं के कई बयानों को पाकिस्तान ने अपने पक्ष में भुनाया।

आवारा कुत्ते और डर में जीते लोग

देश में आवारा कुत्तों के काटने की घटनाएं अब आम लोगों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। खासकर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए गली-मोहल्लों में सड़क पर चलना खतरे से खाली नहीं है। पिछले कई वर्षों से यह मसला सत्ता के गलियारों से लेकर सड़क तक उठता रहा है, लेकिन इसका कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। हालांकि, केंद्र और राज्य सरकारों के स्तर पर आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करने के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, लेकिन नतीजा 'ढाक के तीन पात' जैसा ही है।

यही वजह है कि मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय को यह कहना पड़ा कि कुत्ते के काटने की घटनाओं में राज्यों को भारी मुआवजा देने के निर्देश दिए जाएंगे, क्योंकि पिछले पांच वर्षों में आवारा पशुओं से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन के लिए कोई कदम नहीं उठाए गए। साथ ही यह भी कहा कि कुत्तों को सड़क पर भोजन खिलाने वालों को भी जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी को इसलिए महत्त्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इस संकट से निपटने के लिए न तो राज्य सरकारों की ओर से प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं और न ही कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसने पर रोक लग पाई है।

केंद्रीय पशुपालन और डेयरी मंत्रालय की तरफ से पिछले वर्ष जारी आंकड़ों पर गौर करें, तो देश में जनवरी 2024 से लेकर दिसंबर तक कुत्ते के काटने के सैंतीस लाख से अधिक मामले सामने आए। इनमें पांच लाख से ज्यादा मामले पंद्रह साल से कम उम्र के बच्चों के थे। जबकि कुत्ते के काटने से करीब सैंतीस लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर मामले रेबीज संक्रमण के थे। इन आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।

इस समस्या से निजात पाने का सरल एवं प्रभावी उपाय आवारा कुत्तों की आबादी को नियंत्रित करना माना जाता है। इसके लिए विभिन्न राज्यों में टीकाकरण के जरिए कुत्तों का बंध्याकरण करने का कार्यक्रम शुरू किया गया था, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर लापरवाही और इच्छाशक्ति के अभाव में यह मुहिम कागजों में ही दम तोड़ती नजर आ रही है। यही वजह है कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ रही है और इंसानों को काटने की घटनाओं में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

शीर्ष अदालत ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पिछले दिनों आक्रामक आवारा कुत्तों को सड़क से हटाकर आश्रय स्थलों में रखने का निर्देश दिया था। साथ ही गली-मोहल्लों में कुत्तों को सड़क पर भोजन नहीं परोसने की हिदायत भी दी थी। मगर पशु प्रेमियों को यह फैसला रास नहीं आया और यह मामला फिर से सर्वोच्च न्यायालय पहुंच गया।

इसमें दोराय नहीं है कि आवारा कुत्तों को सुरक्षित और खुला वातावरण मिलना चाहिए, लेकिन इस बात को भी समझना जरूरी है कि मानव सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने भी यह सवाल उठाया है कि अगर पशु प्रेमियों को आवारा कुत्तों से लगाव है, तो वे उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? दरअसल, कुत्तों को सड़क पर भोजन परोसे जाने से वे वहीं आसपास घूमते रहते हैं और स्थानीय लोगों को काटते और डराते हैं। ऐसे में इस बात पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है कि सरकार और समाज के सामूहिक प्रयासों से ही इस समस्या से निपटने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

क्यों गुलाबी कागज में ही सोना-चांदी लपेट कर देता है सुनार?

जरा हट के

जब कभी आप सुनार के पास से गहने खरीदते हैं, खासकर सोने या चांदी के, तो क्या आपने नोटिस किया है कि इसे गुलाबी रंग के कागज़ में लपेट कर दिया जाता है. लोग अक्सर इसे देखते हैं और इग्नोर कर देते हैं. कोई इसके पीछे का कारण जानने की कोशिश नहीं करता. आज हम आपको बताने जा रहे हैं इसके पीछे का असली लॉजिक. आखिर क्यों देश का हर सुनार आपको गुलाबी कागज में ही गहने लपेट कर देता है, काले या सफ़ेद कागज़ में क्यों नहीं?

इसके पीछे एक कारण नहीं है. हालांकि, इसमें से कोई भी साइंटिफिक नहीं है लेकिन लॉजिकल जरूर है:

1. बढ़ाता है चमक

बताया जाता है कि गुलाबी रंग के साथ सोने और चांदी का रंग कंट्रास्ट होता है. इससे ये गहने जब कागज से निकाले जाते हैं तो और भी ज्यादा

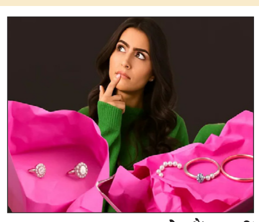

चमकदार नजर आते हैं. वहीं अगर इन्हें सफ़ेद या दूसरे रंग के कागज में लपेटा जाता है तो इसकी चमक फीकी पड़ जाती है. ऐसे में गहनों को और भी ज्यादा शाइनी दिखाने के लिए सुनार इसे गुलाबी रंग के कागज़ में लपेट कर देता है.

2. करता है सुरक्षा

जिस तरह के कागज में गहने को लपेटा जाता है वो नमी को सोखने के लिए जाना जाता है. ऐसे में गहनों तक हवा नहीं जाती और इसकी चमक बरकरार रहती है.

3. धार्मिक मान्यता

इस रंग का इस्तेमाल करने के पीछे धार्मिक मान्यता भी है. दरअसल, हिंदू धर्म के मुताबिक, सोना माता लक्ष्मी का प्रतीक है. और गुलाबी रंग मां लक्ष्मी का पसंदीदा है. इस वजह से सोने को हमेशा गुलाबी रंग के कागज में लपेटकर सुनार देता है.

4. करता है आकर्षित

मनोवैज्ञानिक कारण को देखें तो गुलाबी रंग ग्राहकों को आकर्षित करता है. ऐसा माना जाता है कि गुलाबी रंग के कागज में वो अपने गहने को सुरक्षित मानते हैं. उनके दिमाग में ये सिग्नल जाता है कि उनका गहना ठीक से पैक किया गया है. ऐसे में वो संतुष्टि का अनुभव करते हैं.

मेथी तिल के लड्डू

सर्दियों में कमजोर इम्यूनिटी के अलावा लोगों को जोड़ों और कमर में दर्द की शिकायत भी बनी रहती है। जिसकी वजह से उनका उठना-बैठना तक मुश्किल हो जाता है। अगर आपको भी सर्दियों में ऐसी शिकायत रहती है तो आप मेथी तिल के लड्डू बनाकर खा सकते हैं।

सामग्री ः

- 100 ग्राम मेथी दाना
- 100 ग्राम तिल
- 1/2 लीटर दूध
- 300 ग्राम गेहूं का आटा
- 100 ग्राम घी
- 100 ग्राम गोंद
- 40 बादाम
- 300 ग्राम गुड़
- 10 काली मिर्च
- 2 बड़े चम्मच सोंठ पाउडर
- 2 दालचीनी
- 2 जायफल

विधि ः

मेथी तिल के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले मेथी दाना को रोस्ट करके ठंडा होने पर मिक्सी में पीस लें। अब पिसी हुई मेथी को 5 घंटे के लिए गर्म दूध में भिगोकर रख दें। इसके बाद सफेद तिल रोस्ट

करके पीस लें और बादाम, काली मिर्च, दाल चीनी, इलाइची और जायफल को कूट लें।

अब एक कड़ाही में घी डालकर भीगी हुई मेथी को मीडियम आंच पर हल्का भूरा होने तक रोस्ट करें। इसके बाद आटे को घी में हल्का ब्राउन होने तक भूनें। कड़ाही में 1 चम्मच घी डालकर उसमें गुड़ को पिघला लें। इसके बाद गुड़ में, सोंठ पाउडर, गोंद, कटे हुए बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह मिला लें। इसे बाद इसमें भुनी हुई मेथी, तिल, भुना आटा, भुना गोंद डालकर अच्छी तरह से सभी चीजों को मिला लें।

अब अपने हाथों में थोड़ा सा घी लगाकर मिश्रण को अपनी पसंद का आकार देते हुए लड्डू बांध लें। इसके बाद तैयार किए हुए लड्डू को थोड़ी देर सेट होने के लिए फ्रिज में रख दें। आपके टेस्टी मेथी तिल के लड्डू बनकर तैयार हैं। आप इन्हें किसी एयर टाइट डब्बे में भरकर कुछ समय के लिए स्टोर करके भी रख सकते हैं।

गर्म पानी के साथ 2 लौंग खाना चमत्कारी?

सर्दी के मौसम में बड़ी संख्या में लोग जुकाम, खांसी, गले में खराश जैसी समस्याओं से घिर जाते हैं. ये समस्याएं कॉमन होती हैं, लेकिन कई बार ज्यादा लंबे समय तक परेशान करती हैं. इससे राहत पाने के लिए कई लोग रात को सोने से पहले लौंग का सेवन करते हैं. लोग मानते हैं कि ऐसा करने से उन्हें सर्दियों में होने वाली परेशानियों से निजात मिल सकती है. कई लोग दांतों के दर्द को कम करने के लिए भी लौंग का सेवन करते हैं. लौंग बेहद फायदेमंद मसाला होता है, लेकिन क्या रात को 2 लौंग खाने से लोगों को चमत्कारी फायदे मिल सकते हैं. चलिए इस सवाल का जवाब आयुर्वेदिक डॉक्टर से जानने की कोशिश करते हैं.

यूपी के हाथरस स्थित प्रेम रघु आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सरोज गौतम ने बताया कि लौंग एक मसाला है, जो औषधीय गुणों से भरपूर होता है. लौंग का सेवन करना शरीर के लिए फायदेमंद माना जाता है. रात को गुनगुने पानी के साथ 2 लौंग खाने से लोगों को सर्दी-जुकाम, खांसी और गले के इंफेक्शन से राहत मिल सकती है. लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं, जो सर्दियों में होने वाली कॉमन प्रॉब्लम्स से बचाने में मदद करते हैं. लौंग में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो पाचन तंत्र को ठीक रखते हैं. रात में लौंग खाने से गैस, सूजन और अपच की समस्या दूर हो सकती है. लौंग पाचन एंजाइम्स को उत्तेजित करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है. आयुर्वेदिक डॉक्टर ने बताया कि लौंग एक नेचुरल पेनकिलर की तरह काम करती है, क्योंकि इसमें दर्द से राहत दिलाने वाले गुण होते हैं. लौंग में युजेनोल नामक एक तत्व होता है, जो दांत दर्द, सिरदर्द और मांसपेशियों के दर्द को कम करने में सहायक हो सकता है. दिल की सेहत के लिए भी लौंग का सेवन फायदेमंद माना जाता है. लौंग में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हार्ट को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं. यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने, कोलेस्ट्रॉल कम करने और ब्लड फ्लो को बेहतर बनाने में मददगार हो सकता है. लौंग का सेवन शरीर को आराम देने में मदद करता है और इससे नींद में सुधार हो सकता है. लौंग के एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटीबैक्टीरियल गुण शरीर के इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं.

डॉक्टर सरोज गौतम के मुताबिक लौंग का सेवन अधिकतर लोगों के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन कुछ लोगों को इससे दूरी बनानी चाहिए. लौंग का सेवन करने से कई लोगों के पेट में जलन, मतली या अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं. अगर किसी को पहले से पेट की समस्याएं हैं, तो लौंग का ज्यादा सेवन न करें. गर्भवती महिलाओं को लौंग का सेवन ज्यादा नहीं करना चाहिए. इससे प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन पैदा हो सकती है. जिन लोगों को ब्लड प्रेशर लो रहता है, वे लौंग न खाएं, वरना बीपी ज्यादा गिर सकता है. कुछ लोगों को लौंग से एलर्जी हो सकती है, जिससे त्वचा पर रैशेज, खुजली या सांस लेने में कठिनाई हो सकती है.

गमले में इस विधि से उगाएं हरा धनिया

हरा धनिया भारतीय रसोई का एक अहम हिस्सा है. इसका इस्तेमाल लगभग हर तरह की सब्जियों में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है. हरा धनिया सिर्फ स्वाद ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है. अगर आप ताजा और सुगंधित हरा धनिया खाना चाहते हैं तो आप अपने किचन गार्डन में हरा धनिया लगा सकते हैं. हरा धनिया ग्रो बैग या गमले में भी लगाया जा सकता है.

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. पुनीत कुमार पाठक ने बताया कि धनियां की पत्तियों में कई औषधि के गुण पाए जाते हैं और इसका इस्तेमाल हर भारतीय रसोई में किया जाता है. हरा धनिया पाचन एंजाइमों को सक्रिय करता है, जिससे भोजन आसानी से पच जाता है.

आप किचन गार्डन में सब्जियां उगाते हैं तो आप हरा धनिया भी आसानी से उगा सकते हैं. आप अपनी छत या बालकनी में रखे गमले या ग्रो बैग में भी हरा धनिया लगा सकते हैं. किचन गार्डन में उगाया हुआ धनिया पूरी तरह से हरा भरा और ताजा होगा. इसके अलावा आपको बाजार से हरा धनिया खरीदने के लिए पैसे नहीं खर्च करने होंगे.

एक बड़े साइज का गमला लेकर उसमें एक हिस्सा मिट्टी, एक हिस्सा बालू और एक हिस्सा वर्मी कंपोस्ट डालकर हरे धनिया के बीज को मसल कर दो टुकड़ों में तब्दील कर लें. उसके बाद गमले में भरी हुई मिट्टी के ऊपर हरा धनिया बिखेर कर ऊपर से हल्की सी मिट्टी की परत डालकर सिंचाई कर दें. हरा धनिया 15 से 20 दिन में उग आएगा और यह 25 से 30 दिन में कटिंग के लिए तैयार हो जाता है. हरे धनिया में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं. हरा धनिया विटामिन सी से भरपूर होता है, जो इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करता है.

आज का राशिफल

मेष : परिवार में किसी को आज वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। राजकीय सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। आलस्य हावी रहेगा।

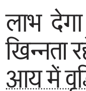
वृषभ : प्रसन्नतापूर्वक समय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। भूमि व भवन की खरीद-फरोख्त लाभदायक रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। कुसंगति से बचें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

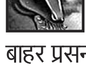
मिथुन : लाभ होगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। प्रसन्नता तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। भाइयों से सहयोग मिलेगा। कुसंगति से हानि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। जल्दबाजी न करें।

कर्क : लाभ के अवसर टलेंगे। समय पर बाहर से धन नहीं मिलने से निराशा रहेगी। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। नौकरी में अधिकारी अधिक की अपेक्षा करेंगे। बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। मेहनत अधिक होगी। मातहतों का साथ नहीं मिलेगा। थकान रहेगी। व्यापार से मनोनुकूल लाभ होगा।

सिंह : व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। घर में सुख-शांति रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सभी काम समय पर होने से प्रशंसा प्राप्त होगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

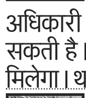
कन्या : व्यापार में प्रसन्नतापूर्वक समाचार प्राप्त होंगे। मान बढ़ेगा। किसी नए उपक्रम को प्रारंभ करने पर विचार होगा। लंबी यात्रा की इच्छा रहेगी। व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। पुराने साथियों तथा रिश्तेदारों से मुलाकात सुखद रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें।

तुला : व्यापार की यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी। नए काम मिल सकते हैं। कार्य से संतुष्टि रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। प्रसन्नता तथा उत्साह का वातावरण बनेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा। निवेश व नौकरी मनोनुकूल लाभ देंगे।

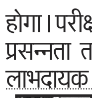
वृश्चिक : व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। फालतू खर्च होगा। शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई भी निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। वाणी पर नियंत्रण रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

धनु : यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नए काम हाथ में आएंगे। कारोबारी वृद्धि से प्रसन्नता रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। अज्ञात भय रहेगा। पारिवारिक सहयोग से प्रसन्नता रहेगी।

मकर : योजना फलीभूत होगी। कार्यपद्धति में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी से बचें। विवेक का प्रयोग करें। भाग्य का साथ मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। मेहनत सफल रहेगी।

कुंभ : घर में सुख-शांति बनी रहेगी। कारोबार मनोनुकूल चलेगा। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा। लंबित कार्य पूर्ण होंगे। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता का वातावरण बनेगा, शुभ समाचार मिलेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रमाद न करें। अध्यात्म में रुचि रहेगी।

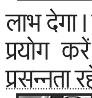
मीन : आज भाईयों को कारोबार से लाभ होगा, लेकिन किसी भी तरह के धन निवेश में जल्दबाजी न करें। आय बनी रहेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। अज्ञात भय रहेगा। अनहोनी की आशंका रहेगी। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

6-6-6 वॉकिंग रूल वजन घटाने का एक असरदार तरीका

आजकल वजन कम करने के ढेरों तरीके हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिर्फ पैदल चलकर भी आप अपना वजन कम कर सकते हैं? जी हां, आपने सही सुना!

हाल ही में चर्चा में आई 6-6-6 वॉकिंग रूल वजन घटाने का एक आसान और असरदार तरीका माना जा रहा है। आइए जानते हैं क्या है 6-6-6 वॉकिंग रूल और कैसे यह वजन घटाने में मदद कर सकती है।

क्या है 6-6-6 वॉकिंग रूल?

6-6-6 वॉकिंग रूल एक आसान रूल है, जिसमें आपको दिन में एक बार 60 मिनट की पैदल चलना होता है। यानी सुबह 6 बजे या शाम 6 बजे आप 60 मिनट तक वॉक करते हैं। इसके अलावा आपको 6 मिनट का वार्म-अप और 6 मिनट का कूल-डाउन भी करना होता है।

कैसे काम करती है ये रूल?

कैलोरी बर्न- पैदल चलने से कैलोरी बर्न होती है। नियमित रूप से 60 मिनट की पैदल चलने से आप काफी कैलोरी बर्न कर सकते हैं।

मेटाबॉलिज्म बूस्ट- यह रूल आपके मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है, जिससे आपका शरीर ज्यादा कैलोरी बर्न करता है।

फैट कम होता है- नियमित पैदल चलने से शरीर में जमा फैट कम होता है, खासकर पेट की चर्बी।

दिल का स्वास्थ्य- पैदल चलने से दिल का स्वास्थ्य बेहतर होता है।

तनाव कम होता है- पैदल चलने से तनाव कम होता है और आप मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करते हैं।

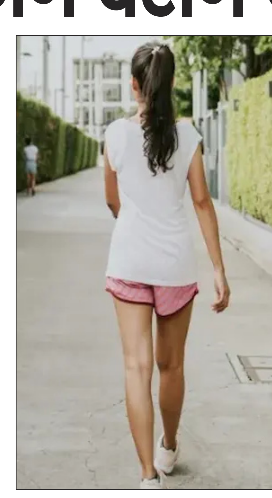

6-6-6 वॉकिंग रूल के फायदे क्या हैं?

वजन कम होता है- ये रूल वजन कम करने का एक असरदार तरीका है।

फिटनेस बढ़ती है- नियमित पैदल चलने से आपका शरीर मजबूत और फिट होता है।

बीमारियां दूर रहती हैं- पैदल चलने से कई बीमारियों जैसे डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियों का खतरा कम होता है।

ज्यादा एनर्जेटिक महसूस करते हैं- पैदल चलने से आप ज्यादा एनर्जेटिक और एक्टिव महसूस करते हैं।

नींद अच्छी आती है- नियमित वॉक करने से नींद अच्छी आती है।

कौन कर सकता है ये रूल?

ये रूल लगभग हर कोई कर सकता है। चाहे आपकी उम्र कुछ भी हो या आपकी फिटनेस का स्तर कुछ भी हो। आपको बस एक आरामदायक जगह और थोड़ा सा समय निकालना है। हालांकि, अगर आपको दिल से जुड़ी कोई बीमारी है या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या है, तो पहले अपने डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

इन बातों का ध्यान रखें

डॉक्टर की सलाह लें- अगर आपको कोई स्वास्थ्य समस्या है तो डॉक्टर से सलाह लेकर ही ये रूल शुरू करें।

धीरे-धीरे शुरू करें- अगर आप पहले कभी एक्सरसाइज नहीं करते थे तो धीरे-धीरे शुरू करें और धीरे-धीरे समय और दूरी बढ़ाएं।

सही जूते पहनें- पैदल चलने के लिए आरामदायक जूते पहनें।

पानी पीते रहें- पैदल चलते समय पानी पीते रहें।

एक साथी ढूंढें- किसी दोस्त या परिवार के सदस्य के साथ पैदल चलें तो ये और मजेदार होगा।

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

चीनी मांझे की चपेट में कटी डॉक्टर की गर्दन, मौत

जौनपुर. उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में चीनी मांझे की चपेट में आने से एक डॉक्टर की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना लाइन बाजार थानाक्षेत्र के पचहटिया गांव के पास प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के सामने हुई। पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि केराकत कोतवाली क्षेत्र निवासी डॉ. मोहम्मद शमीर फिजियो थेरेपिस्ट और एक निजी चिकित्सक थे। उन्होंने बताया कि डॉ. शमीर बुधवार सुबह मोटरसाइकिल से जौनपुर मुख्यालय किसी चिकित्सक से मिलने आए थे और वापस लौटते समय प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास अचानक सड़क पर फैले चीनी मांझे की चपेट में आ जाने से उनकी गर्दन बुरी तरह कट गई।

इकलौते बेटे की लाश लेकर आरोपी के घर पहुंच गया परिवार और गांववाले, करने लगे विलाप

कुशीनगर. उत्तर प्रदेश के कुशीनगर के पडरौना कोतवाली क्षेत्र के कटनवार में एक युवक का शव आरोपी के दरवाजे पर रखकर परिजवारीजन विलाप करने लगे। परिवार के गम में शामिल गांववाले भी वहां पहुंच गए और प्रदर्शन करने लगे। ये लोग युवक को साथ ले जाकर उसे खिला-पिलाकर बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगा रहे थे। सूचना पर पहुंचे कोतवाल के काफी मान मनौवल के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए। वह अपने माता पिता का इकलौता बेटा था।

परिजनों ने बताया कटनवार निवासी 24 वर्षीय सत्येंद्र गिरी को उसके गांव का एक युवक दो महीने 5 दिन पहले बाइक से अपने साथ ले गया। दिन भर साथ रखा। साथ में खाना-पिया, उसके बाद उसे पीटकर अधमरा करने के बाद खिरकिया के पास घायल होने की सूचना दी थी। परिजन मौके पर पहुंचे और उसे घायल हालत में गोरखपुर निजी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका इलाज चल रहा था। वहां इलाज के दौरान कल उसकी मौत हो गई।

फर्जी एफडी थमाकर BOB के बैंक मित्र ने 20 लोगों से हड़पे 50 लाख, शाखा पर हंगामा

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में मोहान रोड पर शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की शाखा में तैनात बैंक मित्र ने करीब 20 ग्राहकों के साथ बड़ा फर्जीवाड़ा किया। बैंक मित्र ने ग्राहकों को कंप्यूटर से निर्मित फर्जी एफडी और बैंक पासबुक से संबंधित दस्तावेज थमाकर 50 लाख से अधिक रुपये ठग लिए। चार से पांच साल पूर्व कराई गई एफडी लेकर जब किसान सोमवार को तोड़वाने पहुंचा। अफसरों ने दस्तावेज देख फटकार लगाते कहा कि फर्जी है। इस बीच कई अन्य ग्राहक पहुंचे। फर्जीवाड़े का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया।

डिवाइडर से टकराई कार, युवक के सीने से आर-पार हुआ 4 फीट लंबा सरिया

सुलतानपुर. यूपी के सुलतानपुर में लखनऊ-वाराणसी फोरलेन हाईवे पर मंगलवार देर रात भीषण सड़क हादसा हो गया। डिवाइडर से टकराई वैगनआर कार में घुसा करीब चार फीट लंबा सरिया एक युवक के सीने से आर-पार हो गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के मुरारपुर गांव के रहने वाले ओमप्रकाश पांडेय का परिवार प्रतापगढ़ के कुंडा स्थित मनगढ़ धाम दर्शन के बाद कार से घर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे खड़े एक ई-रिक्शा को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित होकर बीच में बने डिवाइडर की लोहे की रेलिंग से टकरा गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे एक वाहन ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार की आगे वाली सीट पर बैठे मुरारपुर निवासी 25 वर्षीय नीरज पांडेय के सीने में सरिया घुस गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

तुरंत छोड़ दो ईरान, बिगड़ते हालात के बीच अपने लोगों से बोला भारत

■ **अब तक ढाई हजार की मौत**

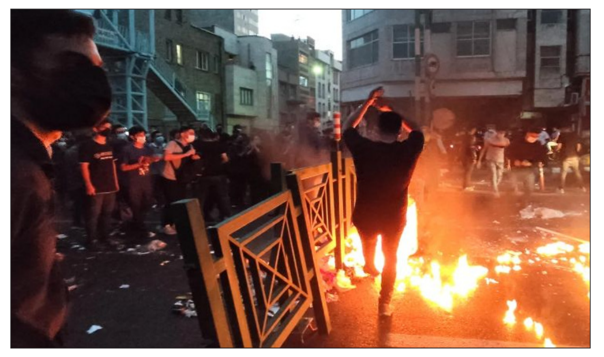

नई दिल्ली. ईरान में विरोध प्रदर्शन के चलते हालात बेकाबू हो गए हैं। अब तक इन प्रदर्शनों में ढाई हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। बिगड़ते हालात के बीच भारत ने ईरान में रह रहे अपने लोगों से तुरंत ईरान छोड़ने की अपील की है। ईरान में स्थित भारतीय दूतावास ने सभी भारतीय नागरिक- टूरिस्ट, बिजनेसमैन, छात्र आदि से देश छोड़ने के लिए कह दिया है। दूतावास ने कहा है कि वे कमर्शियल फ्लाइट्स समेत उपलब्ध ट्रांसपोर्ट के साधनों का इस्तेमाल करके ईरान छोड़ दें। यह फैसला बदलती स्थिति को देखते हुए लिया गया है।

दूतावास ने ईरान में सभी भारतीय नागरिकों और PIO को सावधानी बरतने की सलाह दी है, और उनसे उन इलाकों से दूर रहने को कहा है जहां विरोध प्रदर्शन या धरने हो रहे हैं। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे ईरान में भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें और किसी भी नई जानकारी के लिए स्थानीय मीडिया रिपोर्ट पर नजर रखें।

दूतावास ने भारतीय नागरिकों से अपने इमिग्रेशन डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने का आग्रह किया है। एडवाइजरी में कहा गया है, "ईरान में सभी भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने यात्रा और इमिग्रेशन डॉक्यूमेंट्स, जिसमें पासपोर्ट और आईडी शामिल हैं, अपने पास तैयार रखें। इस संबंध में किसी भी सहायता के लिए उनसे भारतीय दूतावास से संपर्क करने का अनुरोध किया जाता है।"

ईरान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,571 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था ने बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिका की मानवाधिकार संस्था 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी' ने ये आंकड़े बताए हैं। यह एजेंसी हाल के वर्षों में हुई हिंसक घटनाओं के दौरान सटीक जानकारी देने के लिए जानी जाती रही है और ईरान में मौजूद अपने समर्थकों के जरिए सूचनाओं का सत्यापन करती है। संस्था ने कहा कि मरने वालों में 2,403 प्रदर्शनकारी हैं और 147 सरकारी कर्मी हैं। संस्था ने बताया कि मारे गए लोगों में 12 बच्चे और नौ आम नागरिक भी शामिल हैं जो प्रदर्शनों में शामिल नहीं थे। संस्था ने बताया कि 18,000 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है।

लावारिस कुत्तों से प्यार है तो घर क्यों नहीं ले जाते

■ **सुप्रीम कोर्ट के तेवर तल्ख**

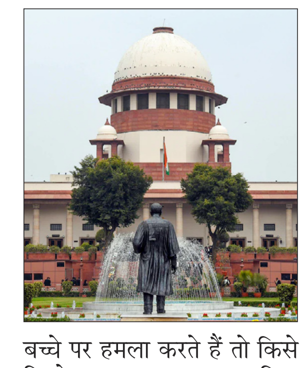

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि लावारिस कुत्तों के हमले से होने वाले किसी भी नुकसान के लिए नगर निगम और कुत्तों को खाना खिलाने वालों पर जिम्मेदारी डालेंगे। अदालत ने कहा, अगर आपको इन जानवरों से इतना प्यार है तो आप उन्हें अपने घर क्यों नहीं ले जाते? जस्टिस विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एनवी अंजारिया की विशेष पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह लावारिस कुत्तों से होने वाली घटनाओं के लिए राज्य सरकारों, नगर निकायों से पीड़ितों को भारी मुआवजा देने को कहेंगे, क्योंकि ये संस्थाएं पांच सालों से लावारिस कुत्तों, जानवरों से जुड़े नियम- कानूनों को लागू करने में पूरी तरह से विफल रही हैं।

शीर्ष अदालत ने सवाल पूछते हुए कहा कि जब कुत्ते नौ साल के बच्चे पर हमला करते हैं तो किसे जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, उस संगठन को जो उन्हें खाना खिला रहा है। अदालत ने लावारिस कुत्तों की हिमायत करने और खाना खिलाने वालों से कहा कि आप चाहते हैं कि हम इस समस्या पर अपनी आंखें मूंद लें। जस्टिस मेहता ने कहा कि जब लावारिस कुत्ता किसी पर हमला करता है तो कौन जिम्मेदार होगा, यह किसी के कब्जे में नहीं हो सकता। आपको पालतू जानवर चाहिए, तो इसके लिए लाइसेंस लें।

सावरकर की तस्वीरों को हटाने की याचिका पर भड़का SC

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को संसद और अन्य सार्वजनिक स्थानों से विनायक दामोदर सावरकर के चित्रों को हटाने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर करने वाले पूर्व अधिकारी को याचिका वापस लेने की अनुमति देने से पहले भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी। SC ने कहा कि इस तरह की याचिका का कोई तुक नहीं बनता।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने सेवानिवृत्त भारतीय राजस्व सेवा (IRS) अधिकारी बी बालमुरुगन को इस तरह की याचिका दायर करने के प्रति चेतावनी दी और कहा कि अदालत का समय बर्बाद करने के लिए भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ''इस तरह की तुच्छ याचिका... मानसिकता दर्शाती है।''

'आप खुद को क्या समझते हैं?'

वहीं पीठ याचिकाकर्ता के इस निवेदन से भी नाराज थी कि वह वित्तीय बाधाओं के कारण व्यक्तिगत रूप से मामले की बहस करने नहीं आ सकते। मुख्य न्यायाधीश ने फटकार लगाते हुए कहा, ''आप आईआरएस अधिकारी थे। आप दिल्ली आकर खुद पेश हो सकते हैं और बहस कर सकते हैं। हम आप पर भारी जुर्माना लगाना चाहेंगे। आप खुद को क्या समझते हैं?''

बंगाल में 3 ही चरणों में इलेक्शन, फोर्स होगी डबल

■ **क्या है चुनाव आयोग की तैयारी**

पश्चिम बंगाल में अगले कुछ महीनों में चुनाव होने वाले हैं और इलेक्शन कमिशन ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं। इस बीच जानकारी मिली है कि इलेक्शन तीन ही राउंड में इस बार कराए जा सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो यह आयोग की बड़ी सफलता होगी क्योंकि 2021 में राज्य में 8 राउंड में वोटिंग हुई थी। आमतौर पर पश्चिम बंगाल में सुरक्षा को लेकर संवेदनशील स्थिति होती है। इसके अलावा चुनावी व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। इसलिए इलेक्शन के राउंड ज्यादा होते थे, लेकिन इस बार कम चरणों में ही इन्हें निपटाने की तैयारी है। 2021 में ज्यादा राउंड होने की एक वजह कोरोना भी था, लेकिन ऐतिहासिक तौर पर भी बंगाल में ज्यादा राउंड में वोटिंग होती रही है।

इस संबंध में 5 जनवरी को एक मीटिंग भी हुई थी। इसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों से बात की थी, जहां इस साल चुनाव होने हैं। सूत्रों का कहना है कि इसी दौरान बंगाल के चुनाव अधिकारियों ने दिल्ली में हुई मीटिंग में बताया कि आखिर कितने राउंड घटाए जा सकते हैं। पश्चिम बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज अग्रवाल ने बताया कि राज्य तीन राउंड में वोटिंग के लिए तैयार है। इसके लिए सुरक्षा बलों की संख्या में थोड़ा इजाफा करना होगा। फिलहाल चुनावी पंडित इसके भी आकलन में जुट गए हैं कि यदि राउंड कम हुए तो इससे किसे फायदा मिलेगा।

भाजपा सूत्र तो इससे उत्साहित दिख रहे हैं। उनका मानना है कि लंबे चलने वाले चुनाव में ममता बनर्जी के पास एडवांटेज रहता है। वह कभी बांग्ला कार्ड चलती हैं तो कभी कोई और मुद्दा ले आती हैं। लंबे चुनाव में उनके पास अपने खिलाफ बनी ऐंटी इनकम्बैंसी की काट के लिए मौका होता है। लेकिन यदि चुनाव की अवधि कम हो तो ऐसा नहीं हो पाता। बता दें कि इस बार राज्य की 294 सीटों पर अप्रैल के आखिरी सप्ताह या फिर मई की शुरुआत में वोट डाले जा सकते हैं।

ढाई लाख जवान तैनात हो सकते हैं

चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि बंगाल में अर्ध सैनिक सुरक्षा बलों के करीब ढाई लाख जवान तैनात हो सकते हैं। यह आंकड़ा पहले के मुकाबले करीब डबल होगा। इसका मकसद यही है कि कम चरणों में चुनाव कराए जा सकें। इसके अलावा राजनीतिक हिंसा के लिहाज से भी बंगाल एक संवेदनशील राज्य रहा है। फिलहाल राज्य चुनाव आयोग की ओर से तैयारियां की जा रही हैं। इसके बाद जल्दी ही केंद्रीय चुनाव आयोग का एक प्रतिनिधिमंडल बंगाल का दौरा करेगा और तैयारियों का जायजा लेगा।

2026 में 'कमल' से सजेगा ब्रिक्स का मंच

■ **भारत की अध्यक्षता में समूह का और बढ़ेगा रुतबा**

नई दिल्ली. भारत की अध्यक्षता में 2026 में ब्रिक्स का मंच कमल से सजने से जा रहा है। दरअसल विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को ब्रिक्स 2026 के लिए आधिकारिक लोगो और वेबसाइट लॉन्च की है। इस लोगो में मौजूद कमल सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। लॉन्च के बाद विदेश मंत्री ने कहा है कि भारत की अध्यक्षता के दौरान ब्रिक्स समूह के जरिए वैश्विक कल्याण को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा, खासकर ऐसे समय में जब समूह अपनी 20वीं वर्षगांठ मना रहा है।

बता दें कि दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाएं ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका ब्रिक्स समूह की अगुवाई करती हैं। इसकी स्थापना साल 2006 में हुई थी। बीते कुछ सालों में समूह का तेजी से विस्तार हुआ जहां मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया भी पूर्ण सदस्य के रूप में ब्रिक्स में शामिल हो गए।

क्या कहता है नया लोगो?

अधिकारियों के मुताबिक नए लोगो की प्रेरणा कमल से ली गई है। यह भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत और मजबूती का प्रतीक है। लोगो की पंखुड़ियों में ब्रिक्स देशों के रंग दिखाए गए हैं, जो अलग अलग आवाजों को एक साझा मकसद के साथ जोड़ने का संदेश देते हैं। वहीं लोगो के बीच में नमस्कार का चिन्ह है, जो सम्मान और सहयोग की भावना को दर्शाता है। इसके साथ एक टैगलाइन भी रखी गई है, "लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए निर्माण।"

वेबसाइट भी लॉन्च

जयशंकर ने इस दौरान ब्रिक्स की नई वेबसाइट भी लॉन्च की। इसका मकसद ब्रिक्स से जुड़ी सभी जानकारियों के लिए एक केंद्रीय मंच बनाना है। अधिकारियों ने बताया कि इसमें ब्रिक्स की पहल, प्रोजेक्ट, कार्यक्रम और आधिकारिक दस्तावेजों की जानकारी उपलब्ध होगी।

तहसीलदार की गाड़ी ने 12 साल के बच्चे को रौंदा

यूपी के रायबरेली जिले में बुधवार को दिन में घर के बाहर खड़े किशोर को लखीमपुर खीरी जिले के तहसीलदार की प्राइवेट गाड़ी ने रौंद दिया। इससे किशोर गंभीर रुप से घायल हो गया। घायल को दुर्घटना करने वाली गाड़ी से सीएचसी पहुंचाया। हालत नाजुक होने पर उसे एम्स रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान किशोर की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं इस मामले में अभी परिजनों की ओर से कोई तहरीर नहीं दी गई।

डलमऊ कस्बे के मियां टोला मोहल्ले का रहने वाले 12 वर्षीय अली हुसैन पुत्र आफाक हुसैन बुधवार को दिन में करीब साढ़े 11 बजे घर के बाहर सड़क के किनारे खड़ा था।

'लालू की असली पार्टी JJD'

तेजप्रताप बोले- तेजस्वी RJD का मेरी पार्टी में विलय करें

■ **दही-चूड़ा भोज में लालू ने कहा- अब तेजप्रताप साथ हैं**

तेजप्रताप ने आवास पर दही-चूड़ा भोज रखा है। लालू यादव इस भोज में पहुंचे हैं। लालू यादव ने कहा कि वो तेजप्रताप से नाराज नहीं है। वो परिवार के साथ ही रहें। तेजप्रताप के बीजेपी में जाने के सवाल पर कहा कि, बेटे को हमेशा आशीर्वाद रहेगा।

8 महीने पहले तेजप्रताप की गर्लफ्रेंड के साथ फोटो सामने आने के बाद लालू ने तेजप्रताप को घर और पार्टी से निकाला था।

तेजप्रताप के दही चूड़ा भोज में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद, बड़े मामा प्रभुनाथ यादव, साधु यादव और चेतन आनंद भी पहुंचे हैं। अभी तक तेजस्वी-राबड़ी इस भोज में शामिल नहीं हुए हैं।

तेजप्रताप यादव ने कहा कि तेजस्वी राजद का विलय जनशक्ति जनता दल में कर दें। लालू प्रसाद की असली पार्टी जेजेडी ही है। जनशक्ति जनता दल बंगाल चुनाव लड़ेगी, ममता बनर्जी के खिलाफ हम लड़ेंगे। एमएलसी का चुनाव भी बिहार में हमारी पार्टी लड़ेगी।

दिल्ली में निगम का चुनाव हमारी पार्टी लड़ेगी। तेज प्रताप ने कहा कि जल्द ही हम पूरे बिहार की यात्रा पर निकलेंगे, कब से निकलेंगे इसकी जानकारी बाद में दी जाएगी। तेजप्रताप ने आगे कहा कि तेजस्वी का इंतजार रात 9 बजे तक करेंगे।

विराट कोहली 5 साल बाद नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बने

■ **रोहित शर्मा ICC रैंकिंग में तीसरे नंबर पर फिसले**

■ **टॉप-10 में 4 भारतीय बैटर**

■ **विराट 825 दिन तक नंबर-1 स्पॉट पर रहे**

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली 5 साल बाद ICC वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने इस पोजिशन से भारत के ही रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया है। बुधवार को जारी रैंकिंग में रोहित अब नंबर-3 वनडे बल्लेबाज हैं। उन्हें दो स्थान का नुकसान हुआ है।

विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 93 रन की पारी खेली थी, इसका उन्हें सीधा फायदा मिला। उनके अब 785 रेटिंग पॉइंट्स हो गए हैं। विराट जुलाई 2021 के बाद पहली बार और ओवरऑल अपने करियर में 11वीं बार नंबर-1 वनडे बल्लेबाज बने हैं। पिछले हफ्ते वे नंबर-2 पर थे।

न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल को भी एक स्थान का फायदा मिला है। वे अब 784 की रेटिंग के साथ नंबर दो पर हैं। यानी पहले और दूसरे नंबर के बल्लेबाज के बीच केवल एक ही रेटिंग अंक का अंतर है।

विराट ने अक्टूबर 2013 में पहली बार टॉप रैंकिंग हासिल की थी। विराट कुल मिलाकर 825 दिनों तक नंबर-1 स्थान पर रह चुके हैं। कोई अन्य भारतीय बल्लेबाज वनडे में इतने दिनों तक नंबर-1 नहीं रहा है। दुनिया में वे इस मामले में 10वें स्थान पर हैं।

मोहम्मद सिराज को बॉलिंग में फायदा

गेंदबाजी रैंकिंग में भारत के मोहम्मद सिराज ने कमाल किया और 5 स्थान की छलांग लगाते हुए 15वें पायदान पर पहुंच गए। उनके साथ इस स्थान पर बांग्लादेश के मेहदी हसन मिराज भी मौजूद हैं। वहीं, अफगानिस्तान के ऑलराउंडर राशिद खान टॉप बॉलर हैं।

वहीं, न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन ने भारत के खिलाफ 4 विकेट लेकर करियर-बेस्ट प्रदर्शन किया।

पाकिस्तान बॉर्डर पर 8 आतंकी कैंप एक्टिव

■ **ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, किसी भी दुस्साहस का जवाब दिया जाएगा**

नई दिल्ली. आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने मंगलवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। भविष्य में किसी भी तरह के आतंकी या सैन्य दुस्साहस के लिए हम पूरी तरह तैयार हैं। भारत पूरी ताकत से जवाब देगा।

जनरल द्विवेदी ने बताया कि बॉर्डर के पास 8 आतंकी कैंप अभी भी सक्रिय हैं। अगर कोई हरकत होती है तो एक्शन लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर, थलसेना, वायुसेना और नौसेना के तालमेल का बेहतरीन उदाहरण है। ऑपरेशन सिंदूर में 100 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए।

रविवार को बॉर्डर के पास ड्रोन देखे जाने के सवाल पर आर्मी चीफ बोले- वे बहुत छोटे ड्रोन हैं। ये लाइट जलाकर उड़ते हैं। बहुत अधिक ऊंचाई पर नहीं उड़ते और बहुत कम ही दिखाई दिए हैं। 10 जनवरी को लगभग 6 ड्रोन देखे गए, जबकि 11 और 12 जनवरी को 2 से 3 ड्रोन दिखाई दिए।

आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि हाल में देखे गए ड्रोन रक्षात्मक ड्रोन थे, जो यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि कोई कार्रवाई तो नहीं हो रही है। वे जांचना चाहते हैं कि भारतीय सेना कहीं कोई कमी या ढिलाई तो नहीं कर रही, जिससे वे आतंकियों को भेज सकें।

इंटरनेशनल बॉर्डर (IB) और नियंत्रण रेखा (LoC) के सामने 8 आतंकी कैंप हैं, जिसमें ट्रेनिंग जैसी गतिविधि चल रही है। सेना नजर बनाए हुए है, एक भी गलती पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा।

7 मई को 22 मिनट की शुरुआती कार्रवाई और 10 मई तक 88 घंटे तक चले समन्वित अभियान ने रणनीतिक समीकरणों को बदल दिया। इस दौरान आतंकी ढांचों पर अटैक किए गए। 9 में से 7 लक्ष्यों को नष्ट किया गया। पाकिस्तान की पुरानी परमाणु धमकी की रणनीति को कमजोर किया गया।

2025 में 31 आतंकवादियों को मार गिराया गया, जिनमें ज्यादातर पाकिस्तानी थे। इनमें पहलगाम हमले के आतंकी भी थे, जिन्हें ऑपरेशन महादेव में मार गिराया गया।

हाथ से सिलकर बना जहाज भारत से ओमान पहुंचा

■ **इसमें बिजली नहीं थी; मटके में पानी ले गए थे**

■ **खिचड़ी खाकर 18 दिन बिताए**

नई दिल्ली. इंडियन नेवी का प्राचीन पाल विधि से निर्मित जहाज INSV कौंडिन्य बुधवार को 18 दिनों की यात्रा पूरी कर गुजरात से ओमान पहुंच गया। कौंडिन्य ने 29 दिसंबर को गुजरात के पोरबंदर से यात्रा शुरू की थी और 14 जनवरी को ओमान के मस्कट पहुंचा।

इस यात्रा का मकसद भारत की प्राचीन समुद्री विरासत को फिर से पुनर्जीवित करना है। यह जहाज 5वीं शताब्दी के भारतीय जहाजों के मॉडल पर बना है। बिना कील या धातु के लकड़ी के तख्तों को रस्सियों से सिलकर तैयार किया गया।

इस पर कोई कमरा नहीं है। क्रू मेंबर्स स्लीपिंग बैग में सोते थे। वहां बिजली की भी व्यवस्था नहीं थी। अन्य जहाजों को चेतावनी देने के लिए क्रू के पास सिर्फ हेडलैंप्स थे, जो अपने सिर पर लगाकर रखते थे। क्रू मेंबर्स ने 18 दिन खिचड़ी और अचार खाकर बिताए।

75% तक मृत्यु दर, कोई टीका भी नहीं

बंगाल में 25 साल बाद लौटा निपाह वायरस कितना खतरनाक?

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में जानलेवा निपाह वायरस के 2 संदिग्ध मामले सामने आने के बाद केंद्र सरकार अलर्ट हो गई हैं। संदिग्ध मामले सामने आने के बाद केंद्र ने एक मल्टी-डिसिप्लिनरी टीम को बंगाल भेजा है। इससे पहले स्वास्थ्य विभाग के आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि AIIMS कल्याणी में बीते 11 जनवरी को वायरस के संक्रमण की पुष्टि हुई। विशेषज्ञों के अनुसार साल 2001 के बाद यह पहला मौका है जब पश्चिम बंगाल में निपाह वायरस के संदिग्ध मामले सामने आए हैं।

केंद्र द्वारा भेजी गई नेशनल जॉइंट आउटब्रेक रिस्पॉन्स टीम में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (NIV), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (NIE) और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तहत वन्यजीव प्रभाग के विशेषज्ञ शामिल हैं। वायरस की उच्च मृत्यु दर और जूनोटिक प्रकृति को देखते हुए विशेष संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण प्रोटोकॉल भी अपनाए गए हैं।

कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग शुरू

वहीं राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों संदिग्ध अस्पताल में नर्स हैं और दोनों उसी अस्पताल में इलाजरत हैं, जहां वे कार्यरत थीं। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर बनाए हुए है और यह पता लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं कि दोनों नर्सें निपाह वायरस से कैसे संक्रमित हुईं।

थाइलैंड में पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन गिरी, 29 की मौत

■ **67 घायल, ज्यादातर स्कूली छात्र**

■ **65 फीट ऊंचाई से मलबा गिरा, डिब्बे पटरी से उतरे**

थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार से चल रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूज एजेंसी AP के मुताबिक हादसे में 29 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 67 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था। हादसे के समय ट्रेन में 195 लोग सवार थे।

अधिकारियों के मुताबिक, इनमें ज्यादातर यात्री स्कूल के छात्र थे। दुर्घटना के समय ट्रेन लगभग 120 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही थी।

ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला

यह दुर्घटना नाखोन राचासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। हादसे के वक्त ट्रेन राजधानी बैंकॉक से उबोन राचाथानी जा रही थी। क्रेन ट्रेन के तीन डिब्बों पर गिरा, जिनमें से दो डिब्बों में सबसे ज्यादा लोग सवार थे। इन्हीं डिब्बों में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

न्यूज वेबसाइट 'नेशन थाईलैंड' के मुताबिक क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद क्रेन का मलबा कोच पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी से उतरते ही डिब्बों में आग लग गई।

बचाव दल ने अब तक 12 शव बरामद किए

हादसे के कुछ मिनट बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

संक्षेप...

काउंटिंग तक जारी रहेगी शराब बंदी

मुंबई. बीएमसी चुनाव को देखते हुए मुंबई में शराब की बिक्री पर रोक जारी रहेगी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सरकारी प्रतिबंध को चुनौती देने वाली शराब विक्रेताओं की एसोसिएशन को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया है। सरकार ने शहर में 14 से 16 जनवरी तक शराब की बिक्री पर रोक लगाई है, जिसमें 15 जनवरी को वोटिंग और 16 जनवरी को काउंटिंग होनी है। एसोसिएशन ऑफ प्रोग्रेसिव रिटेल लिकर वेंडर्स ने जनप्रतिनिधित्व एक्ट, 1951 की धारा 135-सी को नगर निगम चुनावों पर लागू करने को चुनौती दी थी।

निर्विरोध चुनाव के खिलाफ याचिका खारिज

मतदान से पहले राज ठाकरे की MNS को लगा बड़ा झटका

मुंबई. मनपा चुनाव 2026 के मतदान में अब 24 घंटे का समय भी नहीं बचा है. इस बीच बॉम्बे हाई कोर्ट से राज ठाकरे की मनसे को बड़ा झटका लगा है. दरअसल, मनसे ने निर्विरोध चुनाव के खिलाफ हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी, जो अदालत ने लौटा दी है.

यह याचिका मनसे नेता अविनाश जाधव ने फाइल की थी.

निर्विरोध चुने गए उम्मीदवारों के खिलाफ याचिका को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है. मनसे नेता ने आरोप लगाया था कि पैसे और सत्ता के बल पर कई उम्मीदवारों ने

निर्विरोध चुनाव जीता.

हाई कोर्ट से की थी सीधी जांच की मांग

राज ठाकरे की पार्टी ने हाई कोर्ट से अनुरोध किया था कि इन निर्विरोध चुने गए प्रत्याशियों के मामलों की जांच हाई कोर्ट के किसी सेवानिवृत्त जज से कराई जाए या फिर पूरी प्रक्रिया हाई कोर्ट की सीधी निगरानी में हो. इसके साथ ही याचिका में यह भी कहा गया था कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती, तब तक इन प्रत्याशियों को विजेता घोषित न किया जाए, लेकिन कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है.

67 उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए

जानकारी के लिए बता दें कि महाराष्ट्र में महानगरपालिका चुनाव के दौरान करीब 67 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं. याचिका में मनसे ने आरोप लगाया कि नगर निगम चुनावों में कई प्रत्याशी बिना किसी विरोध के निर्वाचित घोषित कर दिए गए जिसमें ज्यादातर सत्ता पक्ष के ही हैं, जो चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है.

ठाणे मनपा चुनाव - मतों की गिनती 11 जगहों पर

ठाणे. मनपा के आम चुनाव कल गुरुवार 15 जनवरी, 2026 को हो रहे हैं। इस चुनाव के लिए वोटों की गिनती शुक्रवार, 16 जनवरी 2026 को होगी। मनपा आयुक्त व चुनाव अधिकारी सौरभ राव ने बताया कि ठाणे मनपा के आम चुनाव के लिए 11 वार्ड-वाइज़ चुनाव अधिकारी नियुक्त किए गए हैं और मतों की गिनती 16 जनवरी को सुबह 10 बजे से इन जगहों पर होगी।

- **वार्ड नंबर 1,2,3,8 माजीवाड़ा मानपाड़ा प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: न्यू होराइजन एजुकेशन सोसाइटी, बिल्डिंग C, रोडाज़ सोसाइटी के पास, हीरानंदानी एस्टेट, ठाणे वेस्ट
- **वार्ड नंबर 4,5,7 वर्तकनगर प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: जाने-माने कवि और लेखक स्व. बाबूराव सरनाईक जिम्नेजियम सेंटर, बेथनी हॉस्पिटल के पास, पोखरण रोड नंबर 2 ठाणे।
- **वार्ड नंबर 6,13,14,15 लोकमान्य सावरकर प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: महिला बचत गट, कोरस हॉस्पिटल के पास, ठाणे
- **वार्ड नंबर 16,17,18 वागले एस्टेट प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: गवर्नमेंट टेक्निकल कॉलेज, वागले एस्टेट, ठाणे
- **वार्ड नंबर 19,20,21,22 नौपाड़ा कोपरी प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: विद्या प्रसारक मंडल पॉलिटेक्निक कॉलेज बिल्डिंग, ठाणे कॉलेज, ग्राउंड फ्लोर ठाणे
- **वार्ड नंबर 10,11,12 उथलसर प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: होली क्रॉस हाई स्कूल हॉल, ठाणे
- **वार्ड नंबर 9,23,24,25 कलवा प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: सह्याद्री हाई स्कूल, 4th फ्लोर, कलवा
- **वार्ड नंबर 26,31 मुंब्रा प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: मौलाना अबुल कलाम स्टेडियम, कौसा, बैडमिंटन हॉल, ग्राउंड फ्लोर, मुंब्रा
- **वार्ड नंबर 30, 32 मुंब्रा प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: मौलाना अब्दुल कलाम स्टेडियम, कौसा, पहली मंजिल, मुंब्रा
- **वार्ड नंबर 27,28 दिवा प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: मौलाना अब्दुल कलाम स्टेडियम, कौसा, स्पेक्टेटर गैलरी, ग्राउंड फ्लोर + स्पेक्टेटर गैलरी का पिछला हिस्सा (पहली मंजिल) साउथ साइड सत गेल, मुंब्रा
- **वार्ड नंबर 29,33 दिवा प्रभाग समिति**
  मतों की गिनती: मौलाना अब्दुल कलाम स्टेडियम, कौसा, स्पेक्टेटर गैलरी, ग्राउंड फ्लोर + स्पेक्टेटर गैलरी का पिछला हिस्सा (पहली मंजिल) नॉर्थ साइड सत गेल,

मुंब्रा चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, सुचारू और सुरक्षित रूप से पूरा करने के लिए इस जगह पर सभी ज़रूरी सुविधाएँ दी गई हैं, और सुरक्षा कारणों से, पुलिस सुरक्षा के साथ सीसीटीवी सिस्टम भी लगाया गया है प्रशासन ने संबंधित वार्ड के उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों, मतगणना कर्मचारियों और अधिकृत अधिकारियों से तय समय पर वहां मौजूद रहने की अपील की है।

चुनाव से पहले ठाणे पुलिस का एक्शन

3,000 से ज़्यादा लाइसेंसी हथियार किए गए जमा

ठाणे. महानगर पालिका चुनाव के मद्देनजर ठाणे पुलिस ने एक्शन किया है। मनपा चुनाव में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने 3,000 से ज़्यादा लाइसेंसी हथियार जमा किए हैं। साथ ही, साल भर में ठाणे पुलिस पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र से 307 लोगों को तड़ीपार किया गया है। चुनाव के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन रोकने के लिए कमिश्नरेट के लगभग सभी पुलिस स्टेशन एरिया में ड्रोन कैमरों से नज़र रखी जा रही है। इन ड्रोन का इस्तेमाल वोटिंग वाले दिन ज़्यादा किया जाएगा।

राज्य में म्युनिसिपल चुनाव की घोषणा हो चुकी है। ठाणे पुलिस कमिश्नरेट एरिया में ठाणे से लेकर बदलापुर और भिवंडी शहर आते हैं। इस साल ठाणे, कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर और भिवंडी म्युनिसिपल एरिया में चुनाव होंगे। चूंकि एक साथ चार म्युनिसिपल चुनाव हो रहे हैं, इसलिए ठाणे पुलिस के सामने पुलिस सुरक्षा के मामले में बड़ी चुनौती है। ठाणे पुलिस ने चुनाव के दौरान कोड ऑफ़ कंडक्ट का उल्लंघन रोकने के लिए एक्शन शुरू कर दिया है। बहुत से लोग सुरक्षा के लिए बंदूक या दूसरे हथियार इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए पुलिस लाइसेंस ज़रूरी है।

ठाणे पुलिस कमिश्नरेट में 3,760 आर्म्स लाइसेंस जारी किए गए हैं। इसमें राजनीतिक और दूसरे सोशल सेक्टर के लोगों, बैंक सिक्योरिटी गार्ड या दूसरे सिक्योरिटी वालों के हथियार शामिल हैं। इनमें से 3,069 लाइसेंसी हथियार पुलिस ने जमा कर लिए हैं।

ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में आचार संहिता उल्लंघन रोकने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। पोलिंग वाले दिन ड्रोन का ज़्यादा इस्तेमाल होगा। ठाणे पुलिस ने साल भर में 306 लोगों को तड़ीपार किया है। साथ ही, रिकॉर्ड में मौजूद क्रिमिनल्स की रोज़ाना चेकिंग की जा रही है। सेंसिटिव इलाकों में पुलिस रूट मार्च कर रही है।

ठाणे पुलिस ने 1 जनवरी 2025 से 7 जनवरी 2026 तक एक साल से ज़्यादा समय में अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान 27 बिना लाइसेंस वाले हथियार, 37 कारतूस और 142 चाकू और कुल्हाड़ी ज़ब्त किए। नाकाबंदी के दौरान 2 करोड़ 16 लाख 89 हज़ार रुपये की बिना हिसाब की संपत्ति और 78 करोड़ 35 लाख 60 हज़ार 458 रुपये के नशीले पदार्थ ज़ब्त किए गए।

पिता के लिए प्रचार करना महंगा पड़ा

राकांपा की शिकायत पर सैनिटेशन इंस्पेक्टर के खिलाफ सीधे सस्पेंशन की कार्रवाई

उल्हासनगर. मनपा चुनाव प्रचार के दौरान आचार संहिता उल्लंघन पर प्रशासन सख्त है. मनपा आयुक्त ने उल्हासनगर मनपा में एक इंचार्ज सैनिटेशन इंस्पेक्टर को तुरंत सस्पेंड कर दिया है, जिसने अपने पिता के कैंडिडेट होने का फायदा उठाकर खुलेआम प्रचार किया और अपने मोबाइल स्टेटस से अपनी पार्टी का रुख बताया। यह घटना राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की तरफ से पेश किए गए पक्के सबूतों की वजह से सामने आई है और एडमिनिस्ट्रेशन के 'ज़ीरो टॉलरेंस' वाले रुख की शहर में ज़ोरदार चर्चा हो रही है।

उल्हासनगर मनपा चुनाव के चलते प्रशासन ने बार-बार साफ चेतावनी दी थी कि अगर कोई भी अधिकारी या कर्मचारी सीधे या इनडायरेक्टली किसी कैंडिडेट के प्रचार में शामिल होता है, तो उसके

खिलाफ कोड ऑफ़ कंडक्ट तोड़ने के आरोप में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लेकिन पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट में इंचार्ज सैनिटेशन इंस्पेक्टर नरेश परमार ने अपने पिता के प्रचार में खुलेआम हिस्सा लिया। नरेश परमार के पिता वार्ड 17 से BJP के उम्मीदवार हैं। इसी सिलसिले में, नरेश परमार ने प्रचार में हिस्सा लेने के साथ-साथ एक BJP नेता के साथ प्रचार की फोटो सीधे अपने मोबाइल स्टेटस पर लगा ली। यह फोटो बाद में उन्हीं की परेशानी बन गई।

इस मामले में NCP के कोषाध्यक्ष अनिल धामेजानी ने सबूतों के साथ शिकायत दर्ज कराई। साथ ही, NCP उम्मीदवार भरत गंगोत्री के करीबियों ने भी इस मामले की ओर ध्यान दिलाया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उल्हासनगर मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने बिना किसी देरी के नरेश परमार को सस्पेंड करने का आदेश दिया। कमिश्नर की मंजूरी से डिप्टी कमिश्नर (हेडक्वार्टर) डॉ. दीपाली चौगुले ने इस बारे में साफ निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि अगर मनपा में काम करने वाला कोई भी अधिकारी/कर्मचारी, चाहे वह परमानेंट हो, कॉन्ट्रैक्ट पर हो या कोई और, किसी भी पार्टी या उम्मीदवार की रैली में हिस्सा लेता है, सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक या प्रिंट मीडिया के ज़रिए कैंपेन करता है, बैनर, पोस्टर, कैंपेन मटीरियल लगाता या बांटता है, मनपा की पॉलिसी के खिलाफ या पॉलिटिकल नेचर का कोई बयान देता है, तो उसके खिलाफ कोड ऑफ़ कंडक्ट के उल्लंघन का केस दर्ज किया जाएगा।

उल्हासनगर में फ्रॉड करनेवाला गैंग

एक साल में करोड़ों रुपये की ठगी

उल्हासनगर. उल्हासनगर और कल्याण इलाके में एक्टिव एक गैंग का गंभीर मामला सामने आया है, जो लोगों को ऑनलाइन कई तरह के लालच देकर बड़े पैमाने पर ठग रहा है। जांच में पता चला है कि जनवरी 2025 से 7 जनवरी 2026 के बीच महाराष्ट्र और दूसरे राज्यों के कई लोग इस साइबर फ्रॉड का शिकार हुए हैं।

पिछले साल उल्हासनगर-कल्याण इलाके में हुए इस बड़े ऑनलाइन फाइनेंशियल फ्रॉड ने पुलिस सिस्टम को भी अलर्ट कर दिया है। आरोप है कि साहिल राजकुमार महाजन, कुणाल वसीटा, बाबू वसीटा, यश गौरव बंड और उनके दूसरे साथियों ने मिलकर लोगों से ठगी की। जांच में पता चला है कि आरोपियों ने उल्हासनगर-4 के श्रीराम चौक इलाके में ATM मशीनों के साथ-साथ उल्हासनगर और कल्याण इलाके के अलग-अलग बैंकों के अकाउंट का इस्तेमाल करके यह फ्रॉड किया। लोगों से ऑनलाइन कॉन्टैक्ट करके, वे आकर्षक रिटर्न, इन्वेस्टमेंट, फाइनेंशियल फायदे या दूसरे लालच दिखाकर उनका भरोसा जीत रहे थे। इसके बाद, लोगों से अलग-अलग बैंक अकाउंट में बड़ी रकम जमा करने को कहा गया। जमा की गई यह रकम आरोपी रेगुलर तौर पर ATM के ज़रिए निकाल लेते थे। लेकिन,

इस रकम का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करके लोगों से पैसे ठगे गए, बिना कोई वादा पूरा किए।

इस गंभीर मामले की जांच उल्हासनगर क्राइम ब्रांच, यूनिट-4 ने की है, और सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर योगेश आव्हाड के गाइडेंस में आरोपी और उसके दूसरे साथियों की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया है कि अभी तक संबंधित आरोपियों के पूरे पते नहीं बताए गए हैं। पुलिस ने लोगों से एक ज़रूरी अपील की है कि वे किसी भी तरह के ऑनलाइन लालच या तुरंत फ़ायदे के ऑफ़र से सावधान रहें। लोग टेक्निकली इसके झांसे में आकर धोखाधड़ी का शिकार हो सकते हैं। इसलिए, उन्हें सावधान रहना चाहिए।

रजोनिवृत्ति पर ध्यान न देने वालों के लिए स्वास्थ्य सपोर्ट

ठाणे सिविल अस्पताल में रजोनिवृत्ति स्वास्थ्य विभाग शुरू हुआ

ठाणे. रजोनिवृत्ति एक महिला की ज़िंदगी का एक ज़रूरी लेकिन अक्सर नज़रअंदाज़ किया जाने वाला स्टेज है। इस दौरान होने वाले शारीरिक बदलाव, मानसिक परेशानी और बीमारियों की शुरुआत पर समाज में ज़्यादा ध्यान नहीं दिया जाता था। लेकिन, अब इस कमी को पूरा करने के लिए, महाराष्ट्र सरकार की पहल पर ठाणे सिविल अस्पताल में एक

रजोनिवृत्ति स्वास्थ्य विभाग शुरू किया गया है।यह स्पेशल स्वास्थ्य विभाग रजोनिवृत्ति के दौरान महिलाओं को होने वाली अलग-अलग समस्याओं पर एक्सपर्ट डॉक्टरों द्वारा गाइडेंस, काउंसलिंग और इलाज देगा। हर बुधवार यह स्वास्थ्य विभाग सिर्फ़ महिलाओं के लिए खुला रहेगा, और महिलाओं को एक आज़ाद और सुरक्षित माहौल में स्वास्थ्य सुरक्षा मिलेगी।इस स्वास्थ्य विभाग का उद्घाटन जिला सिविल सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने किया।इस अवसर पर निवासी मेडिकल ऑफिसर डॉ. मृणाली राहुड़, डॉ. शीतल कासट, डॉ. अर्चना पवार, डॉ. शुभांगी अंबाडेकर सहित अन्य लोग मौजूद थे।

> इस पहल के पीछे मुख्य मकसद महिलाओं की स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता पैदा करना, उम्र के साथ होने वाले नैचुरल बदलावों की जल्दी पहचान करना और इलाज की क्वालिटी को बेहतर बनाना है। महिलाओं को बिना किसी झिझक के इस रजोनिवृति रूम का फायदा उठाना चाहिए।
>
> **-डॉ. कैलाश पवार,** (जिला सिविल सर्जन ठाणे)

रजोनिवृत्ति के दौरान हार्मोन में बदलाव के कारण महिलाओं को नींद न आना, चिड़चिड़ापन, एंग्जायटी, डिप्रेशन, याददाश्त जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। नुकसान, जोड़ों का दर्द, ऑस्टियोपोरोसिस और दिल की बीमारी का खतरा बढ़ना। इन सभी मामलों की अच्छी तरह से जांच की जाएगी और इस कमरे में सही इलाज के तरीके बताए जाएंगे।

इस कमरे में गाइनेकोलॉजिस्ट, मेडिकल ऑफिसर और काउंसलर की मदद मिलेगी, और ज़रूरी टेस्ट, दवा और लाइफस्टाइल की सलाह दी जाएगी। यह सर्विस खासकर ग्रामीण इलाकों से आने वाली और आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं के लिए बहुत काम आएगी।

आइटम सॉन्ग करने पर ट्रोलिंग

मलाइका बोलीं- 52 की उम्र में भी ये कर पा रही हूं

मलाइका अरोड़ा ने अपने करियर में कई आइटम सॉन्ग में परफॉर्म किया है और दिलचस्प बात यह है कि उनके सभी आइटम सॉन्ग हिच रहे हैं। हालांकि कई बार उन्हें उनके आइटम सॉन्ग को लेकर ट्रोल भी किया जाता है जिस पर उन्होंने अब अपनी बात रखी है।

मलाइका ने द नम्रता जकारिया शो में कहा, 'मुझे इसको लेकर शर्म क्यों आनी चाहिए? मेरा मतलब आपको कई चीजों को लेकर ट्रोल किया जाता है, मुझे नहीं पता इसमें बड़ी बात क्या है। डांस एक एक्सप्रेशन है, इसे एंजॉय करना चाहिए।'

मलाइका ने आगे कहा, 'मैं शुक्रगुजार हूं कि मैं 52 की उम्र में ये कर पा रही हूं। मैं कुछ अच्छा ही कर रही हूं। ये मुझे एम्पावर करता है और इससे मुझे काफी शानदार फील होता है।'

बता दें कि मलाइका ने छैया-छैया, माही वे, काल धमाल, मुन्नी बदनाम हुई, अनारकली डिस्को चली जैसे हिट आइटम सॉन्ग दिए हैं।

बता दें कि इससे पहले साल 2025 में मलाइका का हनी सिंह के साथ चिलगम गाना आया था जिसको लेकर उन्हें ट्रोल किया गया था। लेकिन एक्ट्रेस ने इस बारे में एक इंटरव्यू में कहा था, चिलगम में काम करना शानदार था। ये एक बोल्ड, एटीट्यूड और फन से भरा है। यो यो हनी सिंह की एनर्जी हाई होती है। ये गाना ग्लैमर और मैडनेस का परफेक्ट मिक्श्चर है।

मलाइका ने इसी इंटरव्यू के दौरान एक मिस्ट्री मैन संग अफेयर की खबरों पर भी अपना रिएक्शन दिया। मलाइका ने कहा कि मैं किसी भी मर्द के साथ स्पॉट हूं चाहे वो मेरा मैनेजर, दोस्त, गे फ्रेंड या कोई भी मैरिड मर्द क्यों ना हो, लेकिन नाम जोड़ देते हैं। मेरी मां भी मुझे पूछती रहती हैं कि अब ये किसके साथ नाम जुड़ रहा है।

कोपरी, जीजामाता रोड पर चल रहे कंस्ट्रक्शन का खतरा सामने आया

ठाणे. कोपरी पूर्व में जीजामाता रोड पर सर्वेश सोसाइटी के नए कंस्ट्रक्शन के लिए चल रही खुदाई के दौरान मंगलवार सुबह करीब 9 बजे अचानक सड़क धंस गई।इस घटना से कंस्ट्रक्शन को बचाने के लिए बनाया गया शेड गिर गया, लेकिन एक बड़ा हादसा टल गया क्योंकि शेड सड़क पर नहीं गिरा बल्कि कंस्ट्रक्शन के अंदर गिर गया। इस समय, किनारे पर लगा नारियल का पेड़ भी गिर गया।चूंकि यह घटना सुबह के व्यस्त समय में हुई, इसलिए कुछ देर के लिए इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ देर के लिए लोग और ड्राइवर डर गए।अच्छी बात यह रही कि इस

हादसे में किसी की जान नहीं गई। हालांकि, इस बात पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं कि चल रही खुदाई के दौरान सुरक्षा के सही उपाय किए गए थे या नहीं। इस तरह के लापरवाही भरे कंस्ट्रक्शन से लोगों की सुरक्षा का सवाल एक बार फिर सामने आ गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित सरकारी यंत्रणा मौके पर पहुंचीं और जांच की।स्थानीय नागरिक मांग कर रहे हैं कि कंस्ट्रक्शन साइट पर तुरंत ज़रूरी सुरक्षा इंतज़ाम किए जाएं और ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई की जाए।

मनपा एरिया में चुनाव के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित

ठाणे. जिले के मनपा आम चुनाव 2025-26 के तहत ठाणे जिले के मनपा एरिया में बुधवार 15 जनवरी 2026 को वोटिंग के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। यह छुट्टी राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार घोषित की गई है. चुनाव प्रशासन ने साफ किया है कि इस दिन सरकारी ऑफिस, सेमी-गवर्नमेंट ऑफिस, पब्लिक अंडरटेकिंग, बैंक आदि में सार्वजनिक अवकाश लागू रहेगा।प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अवकाश का फायदा उठाएं और हर योग्य मतदाता 15 जनवरी 2026 को अपने नजदीकी पोलिंग स्टेशन पर जाकर बिना डरे मत दें और राष्ट्रीय कर्तव्य के तौर पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा लें।

सीनियर टीटीई पर हमला करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

ठाणे. कर्जत रेलवे स्टेशन के पास तिरुवनंतपुरम-सीएसएमटी एक्सप्रेस में एक सीनियर टीटीई और उनके सहयोगी पर हमला करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. टीटीई ने उनसे बिना टिकट यात्रा करने पर जुर्माना भरने को कहा था. यह घटना 11 जनवरी को हुई, जब सीनियर टीटीईशामू कल्लू राठौड़ (33) एक रिजर्व कोच में टिकट चेक कर रहे थे. वॉशरूम के पास उन्हें 15-20 आम यात्रियों की भीड़ मिली और उन्होंने उनसे टिकट दिखाने को कहा, और जिनके पास टिकट नहीं थे, उन्हें जुर्माना भरने की सलाह दी.

आम सूचना

हम श्री अनिल सुभाषचंद्र सोनी व श्रीमती शीला अनिल सोनी सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, पहला माला, बैरक नं. 1092 के पीछे, जसलोक अस्पताल के पास, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 38बीओ020454500) उक्त प्रॉपर्टी श्री अशोक तीर्थदास भाटिया व श्रीमती किरण अशोक भाटिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 12.1.2025 सी.नं. 012 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अनिल सुभाषचंद्र सोनी
व श्रीमती शीला अनिल सोनी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099